# भारतीय जनता पार्टी

**केन्द्रीय कार्यालय**
11, अशोक रोड, नई दिल्ली–110001
फोनः 2338 22 34/35 फैक्सः 23782163

**नई दिल्लीः 13 नवम्बर, 2006** : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने केन्द्र की यूपीए सरकार द्वारा वीरप्पा मोइली समिति के माध्यम से मुसलमानों और ईसाईयों को साम्प्रदायिक आरक्षण दिये जाने के प्रयासों की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि आन्ध्र प्रदेश सरकार के द्वारा अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के प्रयास को न्यायालय द्वारा स्पष्ट रूप से नकार दिये जाने के बावजूद ऐसे वक्तव्य आरक्षण की व्यवस्था में साम्प्रदायिक आधार जोड़ने के निन्दनीय प्रयास हैं।

अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर वंचित वर्गों को अन्य पिछड़े वर्ग में पहले से ही आरक्षण प्राप्त है। हम समाज के सभी वंचित वर्गों को न्याय दिलाने के पक्षधर हैं जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के वर्ग भी शामिल हैं। परन्तु धार्मिक मत के आधार पर पूरे के पूरे सम्प्रदाय को आरक्षण देने की बात तथ्यहीन और भ्रमपूर्ण है।

सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जब आरक्षण के संदर्भ में 50 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा पूर्ण हो चुकी है तो ऐसा कोई नया आरक्षण कैसे दिया जा सकता है। सरकार केवल अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण में कटौती करके ही ऐसा कर सकती है। भाजपा अनुसूचित जाति/जनजाति और पिछड़ों के आरक्षण कोटे में अल्पसंख्यक वोटों की राजनीति के चलते किसी भी प्रकार की कटौती को बरदाश्त नहीं करेगी। पूर्व में भी केन्द्र सरकार दलित और पिछड़े वर्ग के छात्रों को अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण से वंचित कर चुकी है।

सेना में मुस्लिमों की गिनती से लेकर किसी विश्वविद्यालय में साम्प्रदायिक आरक्षण, तो कभी सरकार में अल्पसंख्यकों को आरक्षण तो कभी निजी क्षेत्र में अल्पसंख्यकों को आरक्षण की बात कह कर ऐसा लगता है कि पूरी सरकार अल्पसंख्यकवाद की मृगमरीचिका में दिशाहीन हो गई है।

90 वर्ष पूर्व 1916 के लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में मुस्लिम समुदाय को पृथक निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण देने की जो ऐतिहासिक भूल कांग्रेस ने की थी उसी के चलते अन्ततः देश का विभाजन हुआ। इसे विडम्बना ही कहा जायेगा कि वही कांग्रेस अपनी उस भयानक भूल से आज भी कोई सबक लेती दिखाई नहीं पड़ रही है। बल्कि आज कांग्रेस मुस्लिम लीग के नक्शेकदम पर बढ़ती नजर आ रही है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आन्तरिक सुरक्षा से लेकर महंगाई, किसानों की आत्महत्या और अनेकानेक कृषि समस्याओं में पूर्णतः विफल रहने के कारण कांग्रेस का जनाधार लगातार खिसक रहा है। इस असफलता ने राष्ट्रहित में सरकार के सोचने की क्षमता को ही बाधित कर दिया है। श्री सिंह ने कहा कि भारत के साम्प्रदायिक विभाजन के बाद हमारे संविधान निर्माताओं ने साम्प्रदायिक आरक्षण देने के विचार को पूर्णतः त्याग दिया था। कांग्रेस को ऐसे किसी प्रयास को इतिहास से उठाकर वर्तमान में लाने से बचना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से उनका खिसकता जनाधार बचने वाला नहीं है।

साम्प्रदायिक आधार पर आरक्षण देने का कोई भी प्रयास न सिर्फ असंवैधानिक है बल्कि भारत के सामाजिक ढांचे के लिए भी घातक है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस से यह आग्रह किया कि वह ऐसे असंवैधानिक, विघटनकारी और साम्प्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देने वाले प्रयासों से बाज आए। देश की जनता न तो इसे स्वीकार करेगी और न इसे होने देगी तथा भाजपा ऐसे किसी भी प्रयास का हर स्तर पर विरोध करेगी।

**(श्याम जाजू)**<br>
कार्यालय प्रभारी